RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 36 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 10 फरवरी 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

सड़क चौड़ीकरण और सुन्दरीकरण के लिये उधेड़ा जा रहा है हल्द्वानी शहर

नगर निगम मेयर के सामने चुनौती है अतिक्रमण हटाना

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी शहर का फैलाव और जनसंख्या घनत्व के बोझ के बाद इसकी सड़कों को चौड़ा करने सहित तमाम कार्य तेजी से चल रहे हैं। इस बीच नगर निगम के चुनाव में भाजपा के गजराज सिंह बिष्ट मेयर के रूप में जनता के प्रतिनिधि बन चुके हैं। देखना होगा कि फैलते शहर में चल रही उधेड़-बुन कैसी होती है। क्योंकि नैनीताल रोड पर तोड़फोड़ के बाद अन्य जगह भी अतिक्रमण हटाये जा रहे हैं। गजराज पहले ही कह चुके हैं कि निगम में शामिल नये बार्डों को सुविधा सहित नगर सुन्दरीकरण की दिशा में कार्यों को गति दी जाएगी। हाँ, मेयर के सामने अतिक्रमण हटवाना चुनौती भी है। कालाढूंगी मार्ग सहित कई स्थानों पर फुटपाथ पर पक्के कब्जे कर चुके लोग हमेशा बचते रहे हैं। साथ ही पानी निकासी के नालों को कब्जा कर ढका गया है, इन्हें भी खुलवाया जाना है।

शहर के बीचोंबीच कालाढूंगी चौराहे से मंगल पड़ाव तक दुकान स्वामी स्वयं ही अपने से हटने लगे हैं। कई जगह अतिक्रमण हटाया गया है। इस बीच सिंचाई विभाग ने रामपुर रोड पर पंचायतघर से गन्ना सेन्टर तक अतिक्रमण चिन्हित किया है। देवलचौड़ से गन्ना सेन्टर तक कब्जे हटाने को लेकर पहले भी कहा गया था। शहर के सुन्दरीकरण को लेकर पहले से जारी प्लान में मेयर की क्या भूमिका होगी वह भी देखने लायक है। नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुधार की दिशा में कार्य होने हैं। निगम पर करीब 52 करोड़ रुपये की देनदारी है। ऐसे में निगम क्षेत्र के नए बार्डों में एक-एक अतिरिक्त कूड़ा गाड़ी चलवाना, ट्रिंचिग ग्रामउण्ड में कोयला प्लान्ट, रामपुर रोड बरेली रोड सहित अन्य निगम के क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटें लगवाना, वार्डों में सड़कों का निर्माण बड़ी जिम्मेदारी है।

मेयर ने पत्रकार वार्ता करते हुए कहा निकाय चुनाव में जनता ने जो आशीर्वाद दिया है, वह भी जनता को अपने पाँच साल तक सुखद परिणाम देंगे। हल्द्वानी को आदर्श निगम बनाना लक्ष्य है। इस बीच नगर निगम की ओर से 1.74 करोड़ रुपये की लागत से चार सड़कें बनाने जाने की बात पता चली है। निगम ने इसके लिये टेंडर खोल दिये हैं। डेढ़ महीने पहले डीएम की जनसुनवाई में पर्वतीय मोहल्ले में गली नं. 11, वार्ड 20 समता आश्रम गली, शिवाजी कालोनी और वार्ड 44 गोकुल नगरी के लोगों ने सड़कों का मुद्दा उठाया था। आचार संहिता के कारण काम शुरू नहीं हो जाए थे, जिन्हें अब शुरू किया जायेगा। दूसरी ओर लोनिवि नगर निगम के कालाढूंगी, हल्द्वानी और लालकुआ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े वार्डों में 10.50 करोड़ की लागत से सड़कों का पुनर्निर्माण करेगा

फायर ब्रांड नेता के रूप में देखा जा रहा है गजराज को

नगर निगम हल्द्वानी के मेयर गजराज बिष्ट ने जिस प्रकार चुनाव से पहले और जीतने के बाद भाषण दिये उससे उन्हें फायर ब्राण्ड नेता के रूप में देखा जा रहा है। वैसे भी कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में हिन्दूवादी नेताओं के दबदबे के कारण गजराज को बड़ा अवसर मिल चुका है। माना जा रहा है कि वह कालाढूंगी सीट पर दमखम वाले नेता के रूप में स्थापित होंगे। ऐसे में विधायक बंशीधर भगत सहित कई नेता नवनिर्वाचित मेयर के कारण अपने को उलझा महसूस कर रहे हैं। जितनी लड़ाई के बाद गजराज को पार्टी ने टिकट दिया ऐसे में टिकट देने वालों और गजराज दोनों के लिये चुनौती थी कि इस चुनाव को अपने पक्ष में किया जाए। अब जीत के बाद गजराज बिष्ट उतने ही आगे की दूरी वह तय कर चुके हैं। साथ ही उनका स्पष्ट कहना- 'वनभूला जाकर वोट नहीं मांगेंगे और सिर्फ राष्ट्र वादियों का समर्थन चाहिये।' उनके बोल उन्हें स्थानीय नेताओं में सबसे तीखा बना चुका है। शहर में जारी कार्यों को लेकर उनका सीधा सा रूख है यह पूरे होंगे। साथ ही किसी इलाके में दंगे-फसाद की कोशिश की गई तो सख्ती होगी।

विपक्ष का प्रमुख चेहरा बन चुके हैं ललित जोशी

नगर निगम चुनाव में भाजपा के गजराज को कड़ी टक्कर देने वाले कांग्रेस के ललित जोशी विपक्ष का प्रमुख चेहरा बन चुके हैं। टिकट मिलने से पहले जितना चटक रूप ललित का दिखाई दे रहा था उससे कहीं ज्यादा जोश चुनाव के दौरान रहा। अपनी जीत के लिये पूरी तहत ताल ठोक रहे ललित को आज भी यकीन नहीं हो रहा है कि बाजी पलट गई। वोटर सूची से लोगों के नाम गायब होने पर वह नाराज हैं और मतगणना में धांधली का आरोप लगाया है। कहा कि 6769 मतपत्र निरस्त होना चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। निरस्त मतपत्रों में अधिकांश कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर वोट डाले गये थे।

फिलहाल इस चुनाव के दौरान सभी कांग्रेसी नेताओं को एकजुट करने वाले ललित जोशी नगर निगम के कार्यों को किस प्रकार निगरानी करते हैं और समाज में कितना सक्रिय रहते हैं यह देखना है।

ललित जोशी के बढ़ते कदम से यह तक कहा जाने लगा है कि 2027 में हल्द्वानी विधानसभा से इन्हें पार्टी ने टिकट देना चाहिये क्योंकि कांग्रेस के पास एकजुटता का इतना बड़ा प्रयास ताजा है। यह भी देखा जा रहा है कि ललित लगातार सक्रिय होकर घूम रहे हैं। उन्होंने मौन जुलूस निकालते हुए जनता का आभार व्यक्त किया। रामलीला मैदान से विशाल जुलूस लेकर वह हीरानगर स्थित गोलज्यू मन्दिर तक पहँचे और निशाना साधा कि आखिर धांधली कहाँ हुई। कहा जितने ज्यादा मत निरस्त किये गये हैं वह सब जाँचने की बात है। लोगों को वोट से वंचित करना चुनाव आयोग की गलती है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

महाकुम्भ के अपने संकल्प हैं

प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुम्भ में अब तक 32 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। दुनिया के 192 देश ऐसे हैं, जिनकी जनसंख्या 30 करोड़ से कम है। महाकुम्भ 26 फरवरी तक चलेगा, अनुमान है कि 15 करोड़ के आसपास श्रद्धालु और संगम पहुँच सकते हैं।

आदि काल से महाकुम्भ की इस परम्परा के अपने संकल्प हैं। आस्थावान पुण्य की आश में मीलों पैदल चलकर कुम्भ आया करते थे। सन्त महात्माओं सहित सभी लोग अपनी आस्था के साथ इस यात्रा में शामिल होते रहे हैं। विज्ञान के चमत्कार के साथ जब संसाधन बढ़ चुके हैं लेकिन लगता है विज्ञान के बढ़ने पर ज्ञान कुन्द होता जा रहा है। अन्धभक्ति, असन्तुलन, अन्याय बढ़ने से संकल्प पूरे नहीं हो सकते।

गोवर्धनमठ पुरी के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने ने सही कहा है- परम्परा प्राप्त शंकराचार्य होने चाहिए, जिनका कोई व्यक्ति अनुगमन करे तो धर्म लाभ प्राप्त कर सके। शंकराचार्य प्रामाणिक होने चाहिये, इन्हें सपाई, बसपाई, भाजपाई आदि के रूप में नहीं। व्यास पीठ का कोई भी आचार्य हो, शासन तंत्र का अनुगामी बने।

इन दिनों चल रहे कुम्भ में संकल्प से ज्यादा विकल्प देखे जा रहे हैं। चूड़ी-चरेऊ बेचने वालों को घूरने वाले, अपनी चमक-धमक का प्रदर्शन करने वाले, काला-सफेद करने वाले सब प्रकार के लगे-भीगे हैं। बाबाओं की भीड़ में भी नकली बाबाओं की पकड़ हो रही है। अखाड़ों के बीच चल रहे विवाद और अपने को महासन्त घोषित कर चुके जुगाड़ वालों का चोला दिखाई दे रहा है। ये सब तो कुम्भ की परम्परा नहीं है। यही कारण है कि कुम्भ के संकल्प को जानने वाले निर्णय भी ले रहे हैं। किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने अभिनेत्री ममता कुलकर्णी और आचार्य महामण्डलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को निष्कासित कर दिया।

कुम्भ का पुण्य पाने के लिये सबको प्रयास करने चाहिये लेकिन ऐसी भीड़ बनने से हमेशा बचा जाए जो दुःखदायी हो, जिसमें दिखावा ज्यादा हो, जहाँ अपने कारण से किसी को कष्ट पहुँचता हो। ध्यान रहे, कुम्भ का संकल्प नदियों की पवित्रता भी है।

फसक

दाज्यू, घोटाले टाले नहीं टलने वाले ठैरे

अंग और नंग प्रदर्शन खुलकर हो रहे हैं बल

दाज्यू, खानपुर क्षेत्र के विधायक और पूर्व विधायक के बीच हुए प्रदर्शन के बाद से यही सुनने को मिल रहा है कि ये तो हद हो गई लेकिन होगा क्या? जेल-रेल-ठेल-पेल-मेल.....सब इनके खेल जैसे हुए। दाज्यू, कलजुग में अंग और नंग प्रदर्शन खुलकर हो रहा है बल। गरम चिमटा लगाए बिना सुधार कैसे होगा? समझ लो। दाज्यू, अंग और नंग प्रदर्शन खुलकर हो रहे हैं बल। डर लगने लगा है कि कौन कब अपने झगड़े की फुलझड़ी को समाज का बम बनाने लगे। पहाड़ी समाज, पंजाबी समाज, गुर्जर समाज, सिन्धी समाज पता नहीं कितने प्रकार के समाज हमारे शहर में हो चुके हैं। बात-बात पर दे-लट्ठ दे-लट्ठ.....। दाज्यू, उमेश-चैपिम्यन के बीच समझौता कराने के लिये भाकियू नेता राकेश टिकैत भी हरिद्वार आए। दाज्यू, कोई भी विवाद का निपटारा अच्छी बात है लेकिन जमाने में टिक्कड़ के जुगाड़ के लिये कुछ न कुछ होते रहता है बल। हमारा झपरु भी मूंछ में ताव देकर चल रहा है। सर में जब से पगड़ी बांधी है, वह अपने को क्रान्तिकारी मान बैठा है। यार-दोस्त और पार्टी वाले भी उसे ठुल सैप मान रहे हैं।

दाज्यू, घोटाले टाले नहीं टलने वाले ठैरे। आईटीबीपी तक में करोड़ों का घोटाला उजागर हो चुका है। अफसरों ने ठेकेदारों के साथ मिलकर घोटाले को आग दी। तभी तो कह रहे हैं कि ये टाले नहीं टलते। आठ अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। बच्चे पैदा होते ही जवान होने लगे हैं बल। गोविन्द बल्लभ पन्त विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में पीएचडी स्कॉलर्स युवतियों की नहाते-धोते वीडियो बना दी गई। नत्थू बता रहा था- 'उप शाखा प्रबन्धक के नाबालिग बेटा गुसलखाने की खिड़की से झांकते हुए यह सब करता था।'

किसको क्या कहा जाए? अधिवक्ता को भी फर्जी हस्ताक्षर मामले में सजा हुई है। सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत ने असिस्टेंट कमिश्नर राज्य कर के फर्जी हस्ताक्षरों से दो फर्मों की कर वसूली स्थगित करने का आदेश बनाने के आरोपी अधवक्ता राकेश तिवारी को तीन वर्ष के कारावास और दस हजार रुपये का अर्थदण्ड की सजा सुनाई। दाज्यू, बेरोजगारों की भीड़ में सब रास्ता तलाश रहे हैं। यूपी से आकर ठगी का जाल बिछाने वाले 6 बालकों को पुलिस ने हल्द्वानी में गिरफ्तार कर लिया है। ये लोग फर्जी खात खोलकर साइबर ठगी कर रहे थे बल। दाज्यू, रुद्रप्रयाग जिला मुख्यालय में ग्राम विकास विभाग में तैनात सहायक परियोजना निदेशक के खिलाफ एक युवती से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ है। रीठा साहिब क्षेत्र से पूर्व प्रधान डेढ़ किलो चरस के साथ पुलिस ने पकड़ लिया। भैरु कह रहा था- 'स्वरोजगार के लिये बहुत कुछ हो रहा है। इयाड़ु-ग्याड़ु सब धुंआ निकाल रहे हैं।' दाज्यू, अभी हम कुम्भ स्नान के लिये लाइन में लगे हुए हैं। गाँव लौटकर प्रसाद बांटेंगे। तब तक आप लोग बजट पर चर्चा कर लें। 95 फीसदी आबादी आयकर भरने से मुक्त हो गई है बल।

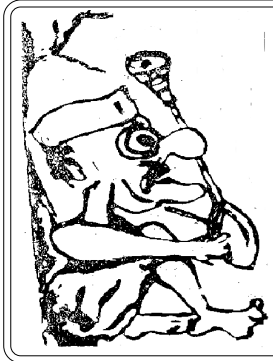

-तुम्हारा भुली झकरुवा

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

इसरो सौ और मिशन के लिये तैयार

भारतीय अन्तरक्षित अनुसंधान संगठन (इसरो) को सौ मिशन पूरे करने का लक्ष्य हासिल करने में भले ही 46 वर्ष लग गए हों, लेकिन अन्तरिक्ष एजेंसी को अब अगले 5 साल मे ही अपना सतक पूरा करने का भरोसा है। इसरो अध्यक्ष वी. नारायण ने विश्वास जताया है कि अगले 5 सालों में मिशन पूरा होगा।

अजनीश कुमार अर्जेंटीना में अगले राजदूत

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी अजनीश कुमार को अर्जेंटीना में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वह एस्टोनिया में भारत के राजदूत के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं। अजनीश 1996 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए थे।

शारदा लीठम को मिला विदेशी चंदे का लाइसेंस

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने आन्ध्र प्रदेश के श्री शारदा पीठम को विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस प्रदान कर दिया है। अब संस्था अन्तर्राष्ट्रीय स्रोतों से चन्दा स्वीकार कर सकेगी। इस वर्ष अब तक 91 संस्थानों को अफसीआरए अनुमोदन मिला है।

अमेरिका में आप्रवासी हिरासत कानून लागू

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध आप्रवासियों की सुनवाई पूर्व हिरासत की अनुमति देने वाले अपने पहले कानून पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। ये कानून लागू होने के साथ ही चोरी, सेंधमारी जैसे अपराधों में आरोपित अवैध आप्रवासियों को सुनवाई से पहले गिरफ्तारी का आदेश देता है।

चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन लाहौर में

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी), आईसीसी के साथ मिलकर चैम्पियन ट्रॉफी का उद्घाटन समारोह 16 फरवरी को लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह के बनाए लाहौर किले के हुजूरी बाग में होगा। बताया गया है कि अधि कृत सभी टीमों की कप्तानों के प्रेस कांफ्रेंस और फोटो शूट नहीं होंगे।

देश की जेलों का आधुनिकीकरण होगा

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने 2025-26 के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। इस राशि को 2024-25 में तय कर दिया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसका एलान किया। गृह मंत्रालय जेल प्रबन्धन को बहुत महत्वपूर्ण मानता है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार, राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को जेल सुधार में सहयोग देने के लिये प्रतिबद्ध है।

निमंत्रण

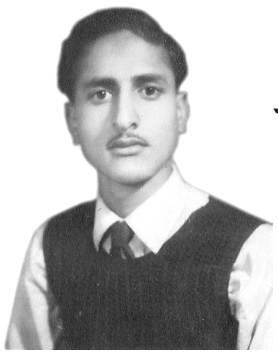

वरिष्ठ कथाकार-पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती का 12वां स्मृति समारोह

दिनांक- 23 फरवरी 2025 रविवार

आनन्दश्री सम्मान से सम्मानित होने वाले

महानुभाव-

श्रीमान नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, प्रधान आयकर आयुक्त उत्तराखण्ड
प्रो. आनन्द सिंह उनियाल, संयुक्त निदेशक उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड
श्रीमान गंगासिंह पांगती, अध्यक्ष अ.भा.प्रधान संगठन धरमघर, नाकुरीपट्टी
श्रीमती पूजा जंगपांगी, जोहार संस्कृति को समर्पित, बागेश्वर
श्रीमती अंजलि बोनाल, रं संस्कृति के अभियान में संकल्पित
श्रीमान भूपाल सिंह बिष्ट, पर्वतीय संस्कृति संरक्षण में सक्रिय, बरेली
श्रीमान पूरन सिंह दानू, लोक संगीतकार एवं कलाकार, बरेली
श्रीमान अमित उप्रेती, श्रीमान सुमित जोशी, श्रीमान सन्तोष जोशी, श्रीमान पवन कुंवर, श्रीमान दिनेश पाण्डे (पत्रकारिता के सजग प्रहरी)

दिनांक- 23 फरवरी 2025
स्थान- हरगोविन्द सुयाल इण्टर कालेज
पीलीकोठी,
कालाढूंगी रोड में
गोविन्दपुरम्,
आर.के.टैंट हाउस मार्ग
हल्द्वानी
उद्घाटन- प्रातः 11 बजे

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सत्यकथा

झलुवा बैल और गांगुली दीदी की आत्मीयता

जगदीश सिंह बृजवाल

सजीव प्राणी मनुष्य हो या समस्त जगत के जीव-जन्तु, पशु-पक्षी, कीट-पतंगें जिसके अन्दर सम्वेदनशीलता का संचार रहता है। इन्द्रियाँ जो आत्मीयता का भाव भी दिखाती हैं (चाहे माँ की वात्सल्यता, पिता का स्नेह, प्रेमी-प्रेमिका का मिलन, ईश्वरीय आस्था, सम्बन्धों की प्रगाढ़ता भावनाओं को समेटे जिसमें मनुष्य श्रेष्ठ प्राणी समझा जाता है।

आत्मीयता के भाव को विखरते जिस स्मृतियों पर प्रकाश डालते है 'गांगुली दी' का 'झलुवा बैल' के साथ अन्तर्मन का सम्बन्ध कहानी को चरितार्थ करती है।

गांगुली दीदी किसान परिवार से आती थी। किसान का मुख्यकार्य खेती-बाड़ी, पशुपालन करना है। उसे अपने कार्य सम्पादित हेतु कई संसाधन- खेत, गाय-बैल, बीज, चारा, जंगल, खाद, श्रम हल, सयंत्र आदि की आवश्यकता रहती हैं। परम्परागत कृषि, आधुनिक कृषि में अन्तर से कार्यशैली में काफी कुछ परिवर्तन हो गया है, लकतु अतीत का कृषि कार्य करने का तरीका, संसाधनों में आत्मीयता का दर्शन ज्यादा होती थी।

गांगुली दीदी का परिवार पति, पुत्र-पुत्री,विधवा ननद, उनकी पुत्री, भरा पूरा परिवार वयस्क, एक दो बच्चे, युवा सभी वयवर्ग सम्मिलित थे। पारिवारिक स्थिति, कठिन परिस्थितियां, सिर्फ कृषि ही आजिवीका का एकमात्र सहारा, कृषि से छः-सात माह का गुजारा हो पाता था। ऐन-केन कठिनाइयों से जीवन गुसरवसर करते थे। फिर भी गांगुली दीदी का नेतृत्व, जिम्मेदारी, अपने सदाचरण, व्यवहारिकता, कार्यकुशलता से परिवार को सदैव खुश, सन्तुष्ट रखे रहती थी। जिनकी 'दास्तान ए जीवन' की कहानी श्रेष्ठ कहूँ तो गलत कुछ भी नहीं होगा।

पहाड़ो पर कृषि कार्य ही जोखिम भरा है, अधिकांश प्रकृति के भरोसे ही रहना है, उसमें- सूखा पड़ना, फसल में बीमारी लगना, ओलावृष्टि, पालतु -जंगली जानवरों से नुकसान आदि से किसान का कष्ट बढ़ा ही देती है, ऐसे में अन्य मेहनत, मजदूरी का दूर-दूर तक मिलने का कोई आसार न हो, तब कोई क्या कर सकता है?

'झलुवा बैल' (चितकबरा-लाल रंग में सफेद चमकीले धब्बे वाला बैल) तथा किसान व उसके पालतू मवेशी-गाय, बैल, भैस, बकरी, बिल्ली अन्य साधन-संयंत्र जिनके बिना किसान की किसानी भी कठिन हो जाता है।

गांगुली दीदी के घर के लोग सभी किसानी से जुड़े थे, घर पर गाय, बैल की अच्छी खासी तादाद कभी छोटे-बड़े लगाकर बीस पचीस मवेशी भी पहुँच जाते जिनके लिए घास-पानी सुरक्षा का भी इंतजाम किया जाता था। जिनकी जिम्मेदारी गांगुली दीदी पर ही निर्भर था। गांगुली दी की वाणी की मधुरता, आचरण की शुद्धता, व्यवहारिक, अच्छी कार्य कुशलता, नेतृत्व क्षमता, कठिन परिस्थितियों में भी सबके चहरे पर सन्तुष्ट भाव का संचार कराती थी। उन्हें सबके चेहरे की मुस्कान बनाये रखने में दक्षता हासिल थी।

घर पर मवेशी का देखभाल साफ सफाई, चारा-पानी सभी कुछ पर नज़र रखती थी, किन्तु मवेशियों में विशेष आकर्षण 'झलुवा बैल' के शक्तिशाली शारीरिक बनावट, मोटे खम्बे जैसे दो सींग, अच्छी कार्यक्षमता, सीधा-साधा, नेतृत्व क्षमता, गुणवान सभी ग्रामवासियों के चहेता, जिससे गांगुली दीदी का विशेष आत्मीयता का सम्बन्ध माँ-बेटे की तरह था।

गाँव में हर परिवार के पास लगभग एक या दो दुधारू गाय अवश्य रहता था। जिसमें गाँव के सभी गायों को जंगल चुगाने हेतु पूर्ववत की भाँति व्यवस्था ही थी। गाँव के मवेशी दो दलों में ग्वालों के साथ जंगल जाते थे। तल्ला, मल्ला पट्टी के मवेशीयां, जिनकी देखभाल अलग-अलग ग्वाले करते थे। गांगुली दीदी के पति स्वयं किसानी करने के साथ-साथ ग्वाला भी रहता था। सीधा-साधा, सज्जन व्यक्ति थे।

'झलुवा बैल' का कोई आस-पास के गाँव तक प्रतिद्वंद्वी नहीं था, दल का नेतृत्व करना, शक्तिशाली शरीर, मालिक के प्रति बफादारी, गुण सम्पन्नता में भी कोई सानी नहीं था। मालिकिन के हर इशारे को सेकड़ों में समझ की क्षमता गुणवान जानवर था।

वक्त के साथ सब कुछ बदलता भी है झलुवा का शक्ति, यौवन, आकर्षण कम होता जा रहा था, शक्ति की कमी, कार्य क्षमता में कमी हो जाना स्वाभाविक है किन्तु झलुवा में जोश खरोश की कमी न थी। गांगुली दीदी का झलुवा के लिए स्नेह में तनिक भी कमी न थी।

पति द्वारा सुबह दस-बारह बजे तक खेती-बाड़ी कार्य से निजात पाने के पश्चात साम तक जंगल में मवेशी चुगाने का दिनचर्या था। अपनी कम मेहनताना, पर ज्यादा सामाजिक आत्मीयता का पाठ पढ़ाने का कार्य करते थे। जिनके साफ स्वच्छ मन में सबके लिए मधुर विचारों का वास ही था। यद्यपि वह आज नहीं है पर उनकी यादें (लेखक ने कलमवद्ध कर) लोगों की स्मृति तक बनाये रखने का काम लेखक ने अवश्य किया है।

गांगुली दीदी- ग्वाले से, 'जरा सुनिए! अब गायों को जंगल चुगाने के लिए ले जाओ।'

ग्वाला- 'ठीक है, जल्दी खाना तो लगाओ, तब तक अन्य लोगों को सूचित कर देता हूँ, गाय लेकर जंगल के रास्ते तक छोड़ दे।'

गांगुली दीदी- 'ठीक है, अपने गोशाला से सभी मवेशियों को खोलते हुए, 'झलुवा'- 'तू आज जंगल मत जा बेटा, तुझे भर पेट खाना घर पर ही मिल जायेगा।'

झलुवा, 'अपने सिर छटपटाते जंगल जाने की जिद मे है।'

गांगुली दीदी, अच्छा! 'चला जा, जरा ठीक ढंग से जाना।'

झलुवा, 'हाँ, में सिर हिलाते हुए, धन्यवाद। ग्वाला, 'खाना लाओ, जल्दी करो।

गांगुली दीदी, 'ठीक है, लिजिए।'

ग्वाला भोजन करने के पश्चात हाथ में लम्बी पतली लकड़ी से हांकने मवेशियों को चलने का संकेत करता है।

गांगुली दीदी, 'झलुवा का विशेष खयाल रखना, अब सयाना हो चुका है।'

ग्वाला- अच्छा! 'अभी तो झलुवा को दस-बारह साल तक कुछ नहीं होने वाला है।'

गांगुली दीदी- अच्छा! 'जानवरो की क्या उम्र होती है? कोई वे आदमी नाम हैं, झलुवा अब बुढ़ापे के दहलीज पर है, हिफाजत करनी पड़ेगी।'

ग्वाला, 'ठीक है' अवश्य।

ग्वाला मवेशियों को लेकर आज गाँव से नीचे दूर ढलान में नदी किनारे चुगाने के लिए ले जाता है, आज झलुवा अपने दल में सबसे पीछे चल रहा है गांगुली दीदी की नज़र झलुवा पर बनी है जब तक अदृश्य मलियाधार से सभी मवेशियों नहीं जाते हैं।

सभी मवेशी अब घास चुगने लगे, आज सभी अच्छे भोजन प्राप्त से खुश हैं, छोटे बछड़े पेट भरने पर छोटे से मैदान में उछल-कूद कर रहे हैं। ग्वाला, कुछ देर थकान मिटाने के लिए गहरी नींद में सो गया, नींद से जागते उसे एक बोझा लकड़ी भी बनाना था। देर हो गयी। झटपट लकड़ी बनाने लगा तब तक देर शाम हो गया, लकड़ी का बोझे में रस्सी लगाकर अब मवेशियों को इकट्ठा करने में जुट गया।

ग्वाला, 'मवेशियों को आवाज लगाता है (आले ले.. ले.. बा ले) आजा, झलुवा कही है तो प्रकट हो जा। (जोर-जोर से चिल्लाते हुए।)

सभी मवेशी इकट्ठा होकर घर की ओर बढ़ने लगे, पर झलुवा को न देखकर चिन्तित हो गया, सांसें थम-सी गयी, मालकिन (गांगुली) की बातें याद आने लगी, काफी देर ढूंढ खोज के पश्चात् निराशा हाथ लगी, लगभग अन्धेरा सा होने लगा, अब घर वापसी, अभी भी आश लगाए, क्या पता बाद तक धीरे-धीरे घर पहुँच जाए।

गांगुली दीदी लचतित आज अभी तक ग्वाले ने मवेशियों को घर नहह्ल लाया, मन में कुछ अनहोनी की शंका भी घर के आगे खेत के किनारे से नज़र रखते जब ग्वाले सहित मवेशी यो को आते देखा,धुंधली सी दिखाग्र देती जिसमें 'झलुवा' की पहचान करना भी कठिन था घर आने का इंतजार करती है

घर के करीब पहुँच ते दूर से आवाज लगाते, क्या झलुवा नहीं आया है?

ग्वाला, 'रूंधे स्वर में नहीं।'

गांगुली दीदी, ओह! बेटा झलुवा, आज तू भी घर नहीं पहुँच पाया। आँखों से अश्रु की धार जमीन में टप टप करता है।

गांगुली दीदी चुपचाप बैठ जाती है झलवे के सदमे में बैचेन है ग्वाले के लिए गुस्से में उल्टे-सुल्टे शब्दों का भी प्रयोग, आज रात्री का भोजन अन्य सदस्य तैयार करते हैं।

मनहूस दिन बीतने तथा कातिल रात के गुजरने का इन्तजार में बैठी गांगुली दीदी, अर्धरात्रि तक खेत के किनारे से आवाज लगाती रहती पर कोई भी प्रत्युत्तर न मिलने से दुःखी हो जाती, रात जागरण में ही काट दिया था।

गांगुली दीदी- उठीए! दो चार लोग जाकर झलुवा को ढूंढ लाओ।'

पति- अच्छा! जाते है। 'लड़का भी उठकर तैयार हो गया, कुछ पास पड़ोस के युवा लड़के भी नदी किनारे सुबह ही झलुवा को ढूंढने निकल गए।'

सभी लोग नदी किनारे इधर-उधर ढूंढने लगते हैं, कुछ देर बाद गांगुली दीदी के लड़के की चीख, ओह....यह रहा झलुवा बल्द (चितकबरा बैल) मर गया है, सब सन्न रह गए, झलुवा के पास इकट्ठा देखने लगे। जिसे बाघ ने रात्री में अपना निवाला बना लिया था, कुछ हिस्सा मांस का खाया था। झलुवा रास्ता न मिलने से अटक गया था। सभी लोग घर वापस आ गए।

गांगुली दीदी अपने आंगन से आगे खेत के किनारे से एकटक उन्हीं लोगों का इन्तजार कर रही थी, शायद वे सभी झलुवा के साथ घर लौट आए।

सुबह के करीब नौ-दस बजे का समय बीत रहा था। अभी वापसी नहीं हुई, अचानक मलियाधार में जब सभी को आते देखा तो साथ में झलुवा को न देख गांगुली दीदी दुखी होकर,

ओह! बेटा झलुवा, 'आज तूने भी आँखिर हमारा साथ छोड़ दिया', अपने कमरे में आकर एक किनारे पर शांत होकर बैठ गयी।

ज्योतिष की बातें- 216

11 फरवरी 2025 को बुध समराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि से युति भी होगी। साथ ही इस समय बुध अस्त भी है। अत: बुध निर्बल रहेगा। अतैव अगले 16 दिन बुध बुद्धि, व्यापार, वाणिज्य, लेखन आदि अपने कारक विषयों में मकर, वृश्चिक, कन्या, कर्क, वृषभ व मेष राशि की जातकों को अल्पमात्र में शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

12 फरवरी 2025 को सूर्य शत्रुराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा जहाँ पर शत्रुग्रह शनि से युति भी होगी अत: सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा। फलदीपिका के अनुसार सूर्य तीसरे, छठवें, दसवें व ग्यारहवें स्थान पर शुभ होता है अत: अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सम्मान आदि अपने कारक विषयों में धनु, कन्या, वृषभ व मेष राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। शेष जातकों को अभी धैर्य रखना चाहिए।

यहाँ पर प्रत्येक ग्रह का गोचरफल अलग-अलग दिया जाता है जोकि स्थूल रूप से ही सही होता है। व्यक्ति विशेष का सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, दशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 107

तीर्थस्थानों में भगदड़ क्यों!

आनन्द रामायण में भगवान राम की तीर्थयात्रा के प्रसंग में तीर्थयात्रा से सम्बन्धित नियमों का विस्तार से उल्लेख प्राप्त होता है। जहाँ तक मुझे ध्यान है उनमें कुछ नियम इस प्रकार हैं-

1. तीर्थयात्रा पैदल करना चाहिए अर्थात् वहाँ वाहन से नहीं जाना चाहिए।
2. लेकिन माण्डलिक स्तर से ऊँचे राजाओं को और मठाधिपतियों को तीर्थयात्रा पैदल नहीं करनी चाहिए अर्थात् उन्हें वाहन से यात्रा करना चाहिए और तीर्थ स्थान के निकट पहुँचकर फिर पैदल चलना चाहिए।
3. किसी एक ही तीर्थस्थान की यात्रा बार-बार नहीं करना चाहिए। केवल स्थानीय लोगों को उस तीर्थ के प्रतिदिन दर्शन करना चाहिए।
4. राजाओं को तीर्थ स्थलों पर मुख्य पर्वों पर नहीं जाना चाहिए अर्थात् प्रजा को कष्ट न हो इसका ध्यान रखना चाहिए।
5. तीर्थयात्रा के कुछ नियम बनाए गए हैं। उन संयम आदि नियमों का पूरी यात्रा में पालन करना पड़ता है अन्यथा व्यक्ति महापाप का भागी होता है।

इन नियमों का साधारण और विशेष दोनों प्रकार के लोग पालन करें तो शायद तीर्थस्थान पर कोई भी दुर्घटना न हो। अधिकतर लोग तीर्थयात्रा धार्मिक भावना से, पुण्य प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि पर्यटन के उद्देश्य से करते हैं जो कि उचित नहीं है। सच तो यह भी है कि जिनमें श्रद्धा नहीं होती है वे लोग गंगास्नान कर भी नहीं पाते हैं और मेला देखकर ही लौट आते हैं। बहुत से सम्पन्न लोग तो अब प्रतिवर्ष निरन्तर तीर्थयात्रा कहीं न कहीं की करते ही रहते हैं, प्रत्येक कुम्भ में स्नान करना और प्रतिवर्ष वैष्णव देवी आदि तीर्थस्थानों पर जाना। इस कारण भी अत्यधिक भीड़ अब होने लगी है जोकि उचित नहीं है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

शारदा कॉरिडोर कार्यों में तेजी लाई जाए

नई दिल्ली। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड सदन में शारदा कॉरिडोर परियोजना के सम्बन्ध में बैठक लेते हुए अधिकारियों को इसमें तेजी लाने को कहा। कहा इस परियोजना के लिये जल्द ही भूमि का संयुक्त सर्वे किया जाए। कहा धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये शारदा नदी किनोर रिवर फ्रंट का विकास किया जाए।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बदलते मौसम चक्र ने दिखाए रंग

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के एकमात्र पहाड़ी बैंड पांडवाज ने भूकानून पर गीत गाकर वाहवाही लूट ली। इतने बड़े मंच पर जहाँ प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के साथ 25 हजार दर्शक थे वहाँ भू कानून को लेकर गाना गाकर पांडवाज ने उत्तराखण्ड के लोगों की सशक्त भू कानून की मांग को देश भर में पहुँचा दिया। उत्तराखण्ड में पहाड़ी वातावरण में धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। इस वर्ष सर्दियों में अब तक केवल कुछ दिन ही बारिश हुई है, जबकि शेष विंटर सीजन सूखा रहा है। इसके परिणामस्वरूप पहाड़ी जैव विविधता पर गम्भीर प्रभाव पड़ रहा है। जनवरी महीने में बुरांश के खिलने और काफल के पकने की स्थिति चिन्ताजनक है। उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में खिलने वाला बुरांश का फूल खिलने का सही समय वैसे तो मार्च से मई महीने के बीच का समय होता है। ऐसे ही काफल के पकने का सही समय अप्रैल से जून के महीने का समय होता है। लेकिन पहाड़ों में जलवायु परिवर्तन का असर यहाँ उगने वाले पेड़-पौधों पर भी हो रहा है। जिसका असर ये देखने को मिल रहा है कि मार्च में खिलने वाला बुरांश का फूल इस साल कई जगह जनवरी महीने में ही खिल गया। राज्य के कई जगह पर काफल भी पकने को तैयार हैं। इस स्थिति पर मौसम विशेषज्ञों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने अपनी चिन्ता व्यक्त की है। बिनसर अभ्यारण के जंगलों में बुरांश का फूल इस बार जनवरी में ही खिल गया।

पहाड़ी क्षेत्रों में बुरांश का एक-दो महीने पहले खिलना, काफल, आड़ू, नाशपाती आदि फलों का जल्दी पकना इसी का परिणाम है। बारिश और बर्फबारी की कमी के कारण इन प्रजातियों को अनुकूल तापमान मिल रहा है, जो चिन्ता का विषय है। प्रदूषण में वृद्धि ने इस स्थिति को और अधिक गम्भीर बना दिया है। प्रदेश में दिन प्रतिदिन प्रदूषण बढ़ता जा रहा है जिसके चलते अब धीरे-धीरे यहाँ की जलवायु में भी परिवर्तन होने लगा है। देवभूमि में प्रकृति का ऐसा रंग देखने को मिला है कि जनवरी माह में समय से पहले ही बुरांश का फूल खिल गया है जो कहीं न कहीं मौसम चक्र में परिवर्तन की वजह बन गया है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रों में काफल भी अपने समय से पहले ही पकने को तैयार हो गया है। यह बदलाव जलवायु में हो रहे परिवर्तन को दर्शाते हैं जो स्थानीय पर्यावरण और कृषि पर भी असर डाल सकते हैं। समय से पहले पेड़-पौधों का फूलना-फलना जलवायु परिवर्तन का सीधा संकेत है। बुरांश, काफल, आड़ू, नाशपाती आदि के समय से पहले पकने का कारण बारिश और बर्फबारी की कमी है, जिससे इन प्रजातियों को जल्द ही अनुकूल तापमान मिल रहा है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण यह स्थिति और गम्भीर हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार असमय ही इन फूलों का खिलना व फलों का लगना जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण है। औषधीय गुणों से भरपूर बुरांश, काफल के असमय खिलने से इसके औषधीय गुणों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

बारिश व बर्फबारी नहीं होने से इन प्रजातियों को समय से पहले ही अनुकूल तापमान मिल रहा है। प्रदूषण बढ़ने से यह स्थिति आई है। इस गम्भीर मामले पर चेत जाना चाहिये। याद रखो रोम के निरंकुश सम्राट नीरो की सेना में डायोस्को रिडीज नामक एक नामी चिकित्सक था। उसने 'डी मटीरिया मेडिका' नामक पुस्तक लिखी जिसमें तमाम पेड़-पौधों का वर्णन किया। वह पुस्तक इतनी महत्वपूर्ण थी कि 1500 वर्षों तक वही चली। वैसी कोई दूसरी पुस्तक नहीं लिखी गई। हमारे देश में भी आयुर्वेद में पौधों के औषधीय महत्व का खूब वर्णन किया गया। इन पर शोध नियमित होने चाहिये।

गुंजी में ग्लास हट से हिमालय दर्शन

धारचूला। कैलास मानसरोवर और आदि कैलास आने वाले यात्रियों को भविष्य में गुंजी, ज्योलिकांग और नाभीढांग में ठहरने के लिये बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही गुंजी में 45 लाख की लागत से अप्रैल के बाद ग्लास हट बनाए जाएंगे, इन हट्स से सैलानी हिमालय दर्शन कर सकेंगे। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम ने ग्लास हड्स के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसे बनाने की सामग्री विदेश से मंगाई जायेगी। नाभीढांग और ज्योलिकांग में 1.50 करोड़ की लागत से चार गुम्बदनुमा फाइबर हट का निर्माण किया जा रहा है।

सुन्दरखाल को राजस्व गांव बनाने की मांग

रामनगर। सुन्दरखाल, देवीचौड़ा खत्ता और वन ग्राम को वनाधिकार कानून 2006 के अन्तर्गत राजस्व ग्राम बनाए जाने की मांग को लेकर 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इसको लेकर सहायक समाज कल्याण अधिकारी इन्द्रजीत गौतम और ग्राम पंचायत अधिकारी उमेश जोशी की उपस्थिति में बैठक भी हुई।

नन्धौर में चैनेलाइज तरीके से खनन हो

हल्द्वानी। आमखेड़ा दुबेलभीड़ा और मल्ला चोरगलिया के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से नन्धौर नदी में होने वाले उपखनिज का चुगान नन्धौर नदी के ऊपरी हिस्से (पूर्वी चोरगलिया गेट) के पास से चैनेलाइज करने की मांग की है। मल्ला चोरलिया निवासी प्रकाश बजेठा के आवास पर हुई बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि बीते वर्ष बरसात से नन्धौर नदी से हुए कटाव से भूमि का बहुत नुकसान हुआ है।

बागेश्वर में खड़िया खनन लटका, कोर्ट का झटका

परिपक्व कारोबारी सराहना कर रहे हैं

बागेश्वर। खड़िया खनन कारोबार लटकने के बाद हजारों मजदूर अपने घरों को लौट चुके हैं। रोजी-रोटी के सवाल पर जिन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट जाने का साहस किया उन्हें कोर्ट का झटका लगा है। बता दें कि नैनीताल हाईकोर्ट ने दस जनवरी को बागेश्वर में एक माह के लिए खड़िया खनन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट से भी कारोबारियों को राहत नहीं मिल पाई। इस पूरे मामले में पुराने और परिपक्व कारोबारी सतर्क हैं और चल रही कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि कारोबार उन्होंने भी किया लेकिन जिस प्रकार से एक सूत्रीय कार्यक्रम पहाड़ को खोदना है वह गलत है। ऐसा करने वालों के कारण सारे कारोबारी बदनाम होते हैं। यह भी चर्चा खूब होने लगी है कि खनन कार्य में इतनी ज्यादा अनुमति किसने दी, फाइलें सरकाने में सफेदपोश कितने आगे हैं, पहाड़ खोदने के लिये किन लोगों के साथ मिलीभगत है? इस बीच खनन कारोबार को लेकर आम जन भी खुसरपुसर कर रहा है।

बताते चलें कि मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय खन्न, न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की संयुक्त पीठ में बागेश्वर के खनन कारोबार करने वाली कम्पनियों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई में कहा गया कि कोर्ट कमिश्नर व न्याय मित्र की ओर से हाईकोर्ट नैनीताल में पेश रिपोर्ट मनगढ़ंत है। याचिका में न्याय मित्र व कोर्ट कमिश्नरों की विशेषज्ञता पर भी सवाल उठाए गए।

याचिका में कहा गया था कि खड़िया खनन से सम्बन्धित मामला एनजीटी में भी विचाराधीन है। खनन पर रो लगने से उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, लिहाजा रोक तुरन्त हटाई जाए। खण्डपीठ ने पर्यावरण के मामले को खनन से ऊपर बताते हुए इस मामले में नैनीता हाईकोर्ट के आदेश पर हस्तक्षेप से इन्कार करते हुए याचिकाकर्ताओं से हाईकोर्ट के नोटिस का जवाब देते हुए अपना पक्ष रखने को कहा।

दूसरी ओर जिलाधिकारी ने जिला एंटी इंलीगल माइनिंग फोर्स के साथ काण्डा खनन क्षेत्रों का भ्रमण कर बारीकी से जाँच की है।

परिक्रमा

रानीखेत व्यापार मण्डल का खर्च, खुलासा, विवाद....

रानीखेत। सुरम्य नगरी रानीखेत के व्यापार मण्डल में धनराशि को लेकर उपजा विवाद खुल रहा है। व्यापार मण्डल की चुनाव समिति ने प्रेस वार्ता कर कुछ खुलासा भी किया है और नई कार्यकारिणी चुनी जानी है।

असल में व्यापार मण्डल की निवर्तमान कार्यकारिणी की आय-व्यय मामले में अनियमितता उजागर हुई है। अनियमितता के आरोपों की जाँच व्यापार मण्डल की चुनाव समिति ने करते हुए उसमें खामियां पाई। बताया जाता है कि व्यापार मण्डल कार्यकारिणी ने बिना प्रस्ताव पारित किए टेंडर आमंत्रित कर दिए और लाखों खर्च कर डाले। इसको लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था।

चुनाव समिति की ओर से पत्रकार वर्ता में जिलाध्यक्ष मोहन नेगी ने बताया कि निवर्तमान कार्यकारिणी के आय-व्यय ब्यौरे का कोषाध्यक्ष अतुल अग्रवाल ने जाँच की, जिसमें कई खामियां पाई गई। इस प्रकरण में निवर्तमान पदाधिकारियों को पत्र भेजे गये हैं लेकिन किसी ने भी जवाब नहीं दिया है। इसके अलावा बिना प्रस्ताव के पास किये गये लगभग 90 हजार रुपये के लेटर बोर्ड स्थापित कर दिये जबकि यह बोर्ड स्थानीय स्तर पर आधे दामों पर लगने चाहिये। वार्ता में चुनाव समिति के सदस्य जगदीश अग्रवाल ने कहा कि निवर्तमान व्यापार मण्डल ने कोई मानक पूरे नहीं किये। तीन साल पहले जमा सदस्यता शुल्क भी खर्च कर दिया और सन् 1995 से बैंक खातों में जमा 27 हजार रुपये भी व्यापार मण्डल को हस्तान्तरित किये गये थे, जिसका हिसाब नहीं दिया। बताया कि वर्तमान में व्यापार मण्डल के खाते में लगभग छह सौ रुपये बकाया है और लगभग एक लाख रुपये विभिन्न मदों में बिना आम राय के खर्च कर दिये गये। प्रेस वार्ता में चुनाव समिति अध्यक्ष अगस्त लाल साह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रताप सिंह मेहरा, महा सचिव कुलदीप कुमार, सचिव हेम भगत आदि थे।

चिह्नित फड़ वालों को मिलेगा स्थान

नैनीताल। मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के तहत पन्त पार्क में हो हरे विकास कार्य के चलते अब फड़ वाले पूर्व के नियत स्थानों पर नहीं बैठ सकेंगे। पंजीकृत फड़ कारोबारियों के लिये पालिका कर्मियों की ओर से पालिका परिसर से पन्त मूर्ति के पास तक लाल रंग से निशान लगा दिये गये है। बताया गया है कि पन्त पार्क से इन फड़ों को हटाकर फड़ कारोबारियों को यहाँ स्थान उपलब्ध कराया जायेगा।

पायलट बाबा की सम्पत्ति पर पहले से नज़र है, मामला दर्ज

नैनीताल। गेठिया स्थित पायलट बाबा की सम्पत्ति को हड़पने के आरोप पर मुकदमा दर्ज हो चुका है। असल में बाबा का यह आश्रम कैसे बना, क्यों बना यह तो लम्बी कहानी है लेकिन इसका बड़ा सच यह भी है कि बाबा का खास बनकर इसे हड़पने की नियत पहले से रही है। शानदान मूर्तियों सहित जोरदार भवन गेठिया में बने हैं और एक समय किसी स्कूल का बोर्ड भी लग गया था। बताया जाता है कि कुछ समय बाद अन्दरूनी आरोपों के बाद स्कूल का बोर्ड हट गया और माना गया इसमें कोई बाहर से बड़े भक्त जुड़े हुए हैं। अब फिर से मामला उछल चुका है।

पायलट बाबा के शिश्य स्वामी मंगल गिरि का कहना है कि बाबा की समाधि 20 अगस्त 2024 को हुई थी, तभी से कुछ लोग बाबा और फाउंडेशन की सम्पत्ति को खुर्द-बुर्द करना, नुकसान पहुँचाना और हड़पना चाहत हैं। उन्होंने नैनीताल व दिल्ली के कई लोगों पर मिलकर षड़यन्त्र के तहत पायलट बाबा कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल एण्ड रिसर्च गेठिया की मान्यता प्राप्ति के लिए महायोग फाउंडेशन संस्थाा के दस्तावेज फर्जी तरीके से तैयार करने का आरोप लगाया था। फर्जी दस्तावेज के द्वारा बैंकों में खाते भी खुलवाए गए हैं। साथ ही इन लोगों पर बाबा का फर्जी बसीयत बनाकर महायोग फाउंडेशन व बाबा की निजी व चल-अचल सम्पत्ति को हड़पने के लिये फर्जी दस्तावेज तैयार करने का भी आरोप लगाया है। यह भी आशंका जताई है कि बाबा की सम्पत्ति हड़पने के लिये उनकी बीमारी का लाभ उठाकर इलाज में लापरवाही कर उनको मार दिया होगा।

मंगल गिरि के प्रार्थना पत्र पर सीजेएम कोर्ट ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। मामले में बिहार निवासी अमर अनिल सिंह, म.प्र. निवासी जय प्रकाश और दिल्ली निवासी चन्द्रकला पाण्डे, चेतन, मुकेश कुमार सिंह, जेबी शेरावत ओर अजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जाँच हो रही है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिथौरागढ़ नगर निगम चुनाव के बाद घमासान मचा है

निर्दलीय महर के पक्ष का प्रशासन पर आरोप, लड़ाई लम्बी है

चुनाव में धांधली का आरोप लेकर कोटगाड़ी गये ऋषेन्द्र, जिलाधिकारी ने कहा कानून-व्यवस्था न बिगाड़ी जाए

पिथौरागढ़। नगर निकाय चुनाव में 17 वोटों से हारी श्रीमती मोनिका महर के समर्थक सड़कों पर हैं और प्रशासन पर गम्भीर आरोप लगाये हैं। पिथौरागढ़ नगर निगम के चुनाव के बाद मची घमासान का अनुमान पहले से लगाया जा रहा था कि चाहे किसी की हार-जीत हो राजनीति के चेहरे-मोहरे बदल जाएंगे। पिघलता हिमालय ने अपनी समीक्षा में कहा भी था कि विधायक मयूख महर सहित जितने भी पक्ष चुनाव में अपनी बात रख रहे हैं वह भाजपा-कांग्रेस से ज्यादा व्यक्तिगत ताकत, अनुभव, व्यक्तित्व, व्यवहार को लेकर नई दिशा तय करने वाला है।

चुनाव सम्पन्न हो गये। चुनाव मतगणना के दौरान बार-बार निर्दलीय के आगे होने की बात कही जा रही थी जबकि अन्त में भाजपा प्रत्याशी को 17 मतों से विजयी घोषित किया गया। कांग्रेस की ओर से भी दमदार चुनाव लड़ा गया लेकिन वह तीसरे स्थान पर रहीं। चुनाव की इस पूरी लड़ाई के बाद चुनाव लड़ने वालों ने एक-दूसरे पर आरोप नहीं लगाये लेकिन निर्दलीय की प्रत्याशी की हार का सूचना के बाद से प्रशासन के विरुद्ध मोर्चा खोला जा चुका है। प्रत्याशी मोनिका महर के पति ऋषेन्द्र महर ने न्याय की देवी कोटगाड़ी तक चले गये और उन्होंने खुलेआम चेतावनी दी कि अन्याय करने वालों को नहीं छोड़ेंगे। कहा पिथौरागढ़ वासी अधिकारियों का सम्मान करने हैं और न्यायप्रिय लोगों को पूजते हैं लेकिन जब कोई अन्याय करता है तो उसे छोड़ते नहीं हैं। इस लड़ाई को वह सर्वोच्च न्यायालय तक लड़ेंगे। इसके लिये जिलाधिकारी सहित अन्य तैयार रहें। दूसरी ओर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव शान्तिपूर्ण सम्पन्न हो चुका है और मतगणना के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हुई। मतगणना के हर चरण में सभी ने कार्यों को सराहा लेकिन एक पक्ष असत्य को प्रचारित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गलत बयानबाजी नहीं होनी चाहिये। कहा कि कानून व्यवस्था न बिगाड़ी जाए।

निर्दलीय और प्रशासन की इस घमसान के बीच ऋषेन्द्र ने गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास इस बात के प्रमाण हैं कि मतगणना के समय अधिकारी फोन पर बात कर रहे थे और भाजपा नेताओं के इशारे पर चीजें हो रही थीं। उन्होंने डीएम, एडीएम, सीडीओ का नाम लेकर बातें कहीं। भाजपा जिलाध्यक्ष से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री तक का उल्लेख किया और कहा वह इनका सम्मान करते रहे हैं। ऋषेन्द्र ने बगैर नाम लिये कुछ नेताओं पर टिप्पणी की और कहा कि उनके कारनामों की जानकारी सबको है। वह धीरे-धीरे सारे पत्ते खोलेंगे।

फिलहाल देखने में जो रहा है उसके हिसाब से कांग्रेस के पूरे झगड़े में भाजपा ने अपना रास्ता बना लिया। इस लड़ाई का परिणाम 2027 के विधानसभा चुनाव तक काम करने वाला है।

प्रणव चैम्पियन और उमेश कुमार का शक्ति प्रदर्शन देवभूमि के लिये शर्म की बात

हरिद्वार। निर्दलीय विधायक उमेश कुमार और पूर्व विधायक प्रणव चैम्पियन को लेकर भी इन दिनों उत्तराखण्ड की देशभर में चर्चा हो रही है। समाज के लिये जिम्मेदार बनने का दावा करने वाले उमेश और प्रणव ने जिस प्रकार से सोशल मीडिया के द्वारा अपना शक्ति प्रदर्शन किया वह इस पर्वतीय प्रदेश में सवाल है। मूल निवासी और भूकानून की मांग को लेकर पहले से जुटे संगठन इन दोनों नेताओं का उदाहरण देकर सवाल कर रहे हैं कि उत्तराखण्ड बनाने की जो अवधारणा थी उसे ध्वस्त करने वाले हाबी होते जा रहे हैं। कुंवर प्रणव चैम्पियन गुर्जरों की धमक दिखाने की आड़ में लगातार मनमानी करते रहे हैं जबकि प्रदेश के खत्तों में गुर्जरों को पहाड़ संरक्षण देता रहा है। इसी प्रकार उमेश कुमार शुरू से ही पहाड़ की राजनीति को दूषित करने का काम करते रहे हैं और तमाम आरोपों के बाद भी निडरता से राज कर रहे हैं। उत्तराखण्ड विधान सभा में यदि इस प्रकार के लोगों को चुन कर भेजा जाता है तो देवभूमि की बात बेईमानी हो जायेगा।

पूर्व विधायक प्रणव और वर्तमान विधायक उमेश के बाहर से आये समर्थकों ने जिस प्रकार से दादागिरी की, पथराव किया, फायरिंग की उसनने उनके तेवर दिखा चुके हैं। इन सारे हालातों को पुलिस व प्रशासन कानूनी प्रक्रिया से सम्भाल रहा है लेकिन यह तो तय है कि उत्तराखण्ड में जिस तरह की आशंका व्यक्त की जा रही थी वह साफ दिखाई दे रही है।

कपूर एण्ड संस
संजय कलोनी, बसन्त विहार के सामने, मुखानी हल्द्वानी
मो.न. 9358677097, 7505954468
कपूर इण्टरप्राईजेज
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़ रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279, 9837824462

एस.के.एम.
सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल
रामपुर रोड, हल्द्वानी
(सम्बद्ध सीबीएसई नई दिल्ली)

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
मो.न. 8958525979, 9411134775
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236

MARTOLIA FURNITURE
Modular Kitchen, Sofa Set, Dinning Table, TV Cabinet, Dressing Table, Bed Room Furniture
Drawing Room Furniture & Interior, Restaurant Furniture & Turnkey Project.
Add : Near Devendrapuri, Badi Mukhani, Pilikothi Road, Haldwani Mob. : 8057167777, 7906752084, 8650427229

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Hotal Ashish Inn

Enjoy Your Stay

Near- Guest House Gangolihat

9411130223, 9634788894, 9119026493

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

बहादुर सिंह क्वीरियाल

टकाना, पो. रांथी

मुनस्यारी

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

नवीन सिंह जंगपांगी

(निकट- हरलाल पेट्रोल पम्प)

पिथौरागढ़

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

गौरव पांगती

वस्त्र विक्रेता

मुनस्यारी

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

किशन सिंह जंगपांगी

मल्ला दुम्मर

मुनस्यारी

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)